220

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद

अधिन्यास (Assignment) **2014-2015**

परास्नातक कला कार्यक्रम (एम०ए०)

Master of Arts Programme (M.A.)

विषय : संस्कृत — विषय कोड : एम.ए.एस.टी०

Subject : Sanskrit — Subject Code : MAST

कोर्स शीर्षक : वैदिक वाङमय — कोर्स कोड : एम.ए.एस.टी०-01

Course Title : — Course Code: MAST-01

अधिकतम अंक : 30

नोट : दीर्घ उत्तरीय प्रश्न। प्रश्नों के अपने उत्तर 800 से 1000 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

खण्ड - 'अ'

अधिकतम अंक : 18

1. निम्नलिखित मन्त्रों का देवता नामोल्लेख पूर्वक ससन्दर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिए। 6

(क) अहेर्यातारं कमपश्य इन्द्र, हृदि यन्ते जघ्नुषो भीरगच्छत्।
नव च यन्नवतिं च स्रवन्तीः श्येनो न भीतो अतरो रंजसि।

(ख) विश्वंभरा वसुधानी, प्रतिष्ठा
हिरण्यवक्षा जगतो निवेशनी।
वैश्वानरं विभ्रती भूमिरग्नि
भिन्द्रऋषभा द्रविणे नो दधातु।।

2. निम्नलिखित की ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए। 6

(क) नामाख्यातयोस्तु कर्मोपसंमोगद्योतका भवन्ति।

(ख) हन्ताहं पृथिवीमिमां निदधानीह वेह वा।

3. निम्नलिखित मन्त्रों की ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए। 6

(क) यच्चक्षुषा न पश्यति येन चक्षूंषि पश्यति
तदेव ब्रह्म त्वं विद्धि नेदं यदिदमुपासते।

(ख) तस्यैष आदेशो यदेतत् विद्युतो व्यघुतदा
इतीन्न्ययीमिषदा इत्यधिदैवतम्।

खण्ड - ब

अधिकतम अंक : 12

नोट : लघु उत्तरीय प्रश्न। प्रश्नों के उत्तर 200 से 300 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

4. इन्द्र सूक्त का आश्रय लेकर इन्द्र का महत्व लिखिए। 2

5. ऋग्वेद की प्राचीनता में प्रमाणित तथ्य प्रस्तुत कीजिए। 2

6. शिक्षा वेदाङग पर प्रकाश डालिए। 2

7. केनोपनिषद् का प्रतिपाद्य प्रस्तुत कीजिए। 2

8. शतपथ ब्राहमण का परिचय प्रस्तुत कीजिए। 2

9. निरुक्त के आधार पर यास्क का प्रतिपाघ लिखिए। 2

———————

221

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद

अधिन्यास (Assignment) **2014-2015**

परास्नातक कला कार्यक्रम (एम०ए०)

Master of Arts Programme (M.A.)

विषय : संस्कृत विषय कोड : एम.ए.एस.टी०

Subject : Sanskrit Subject Code : MAST

कोर्स शीर्षक : पालि–प्राकृत–अपभ्रंश एवं भाषा विज्ञान कोर्स कोड : एम.ए.एस.टी०-02

Course Code: MAST-02

Course Title :

अधिकतम अंक : 30

नोट : दीर्घ उत्तरीय प्रश्न। प्रश्नों के अपने उत्तर 800 से 1000 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

खण्ड - 'अ'

अधिकतम अंक : 18

1. भाषा किसे कहते हैं? भाषा विज्ञान में व्याकरण की उपयोगिता स्पष्ट कीजिए। 6
2. प्राकृत भाषा की व्युत्पत्ति बताते हुए शौरसेनी प्राकृत की विशेषताएं लिखिए। 6
3. अपभ्रंश का विकास वर्णित कीजिए। 6

खण्ड - ब

अधिकतम अंक : 12

नोट : लघु उत्तरीय प्रश्न। प्रश्नों के उत्तर 200 से 300 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

4. अग्रलिखित गद्यांश का सारांश लिखिए। 2

अथ खो आयस्मा आनन्दो आयस्मन्तं अनुरुद्धं
एतदवोच–'वरिनिब्बुत्तो, भन्ते अनुरुद्ध, भगवां ति।
न आवुसो आनन्द, भगवा परिनिब्बुतो, सञ्ञावेद
-यितनिरोध समापन्नो तिं। अथ खो भगवासञ्ञा
-वेदयितनिरोध सभापत्तियावुट्ठहित्वा नेवसञ्ञानासञ्ञा
-नासञ्ञायतनं आकिञ्चञ्ञयातनं....विञ्ञाणञ्चायतनं
आकासनञ्चायतनं चतुत्थं झानं ततियंझानं दुतियंज्ञानंपठमंझानं समापज्जि।

5. निम्नलिखित पद्य की संस्कृतच्छाया लिखिए। 2

यथा अगारं सुच्छन्न वुठ्ठि न समतिविज्जति।
एवं सुभाषितं चित्तं रागो न समतिविज्झति।

6. सेतुबन्ध (रावणवहो) की कथावस्तु लिखिए। 2
7. गाहासत्तसई की भाषागत विशेषताएं लिखिए। 2
8. 'मायादेविया सुपिनं' की कथावस्तु लिखिए। 2
9. निरूक्त की विशेषताएं भाषाशास्त्रीय दृष्टि से कीजिए। 2

अथवा

भाषाशास्त्रियों में भर्तृहरि का वैशिष्ट्य वर्णित कीजिए।

अथवा

पाणिनी का भाषा शास्त्रीय वैशिष्ट्य वर्णित कीजिए।

———————

222

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद

अधिन्यास (Assignment) **2014-2015**

परास्नातक कला कार्यक्रम (एम०ए०)

Master of Arts Programme (M.A.)

विषय	: संस्कृत	विषय कोड	: एम.ए.एस.टी०
Subject	: Sanskrit	Subject Code	: MAST
कोर्स शीर्षक	: व्याकरण तथा अलंकार	कोर्स कोड	: एम.ए.एस.टी०-03
Course Title	:	Course Code:	MAST-03

अधिकतम अंक : 30

नोट : दीर्घ उत्तरीय प्रश्न। प्रश्नों के अपने उत्तर 800 से 1000 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

खण्ड - 'अ'

अधिकतम अंक : 18

1. निम्नलिखित पदो की रूपसिद्धि स्पष्ट कीजिए। 6

   (क) हरीणाम्। (ख) रमया,। (ग) राज्ञः।

2. निम्नलिखित पदों की साधनिका स्पष्ट कीजिए। 6

   (क) नद्यै। (ख) मातरः (ग) ज्ञानस्य।

3. काव्य प्रकाश में प्रस्तुत श्लेष अलंकार का लक्षण स्पष्ट करते हुए इसके भेदों का सोदाहरण उल्लेख कीजिए। 6

खण्ड - ब

अधिकतम अंक : 12

नोट : लघु उत्तरीय प्रश्न। प्रश्नों के उत्तर 200 से 300 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

4. ''बभूव'' पद की रूप सिद्धि स्पष्ट कीजिए। 2

5. निम्नलिखित पदों में प्रकृति प्रत्यय विभक्त कीजिए। 2

   (क) देयम्। (ख) मृज्यः (ग) वाहीकः (घ) औडुलोमिः।

6. बहुव्रीहि समास किसे कहते हैं? उदाहरण दीजिए। 2

7. मम्मट के अनुसार विभावना अलंकार का लक्षण प्रस्तुत कीजिए। 2

8. एध् धातु के लट्लकार मध्यम पुरुष के रूप लिखिए। 2

9. यमक अलंकार का लक्षण देकर उदाहरण लिखिए। 2

———————

223

उत्तर प्रदेश राजषि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद

अधिन्यास (Assignment) **2014-2015**

परास्नातक कला कार्यक्रम (एम०ए०)

Master of Arts Programme (M.A.)

विषय : संस्कृत विषय कोड : एम.ए.एस.टी०

Subject : Sanskrit Subject Code : MAST

कोर्स शीर्षक : दर्शन कोर्स कोड : एम.ए.एस.टी०-04

Course Title : Course Code: MAST-04

अधिकतम अंक : 30

नोट : दीर्घ उत्तरीय प्रश्न। प्रश्नों के अपने उत्तर 800 से 1000 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

खण्ड - 'अ'

अधिकतम अंक : 18

1. सन्दर्भसहित व्याख्या कीजिए— 6

भेदानां परिमाणात्समन्वयाच्छक्तितः प्रवृत्तेश्च।

कारणकार्य विभागादविभागाद्वैश्वरूप्यस्य।।

कारणमस्त्यव्यक्तम्, प्रवर्तते त्रिगुणतः समुदयाच्च।

परिणामतः सलिलवत् प्रतिप्रतिगुणाश्रय विशेषात्।।

2. लिङ्गपरामशौडनुमानम्–इस वाक्य की विस्तृत व्याख्या कीजिये। 6

3. वेदान्तसार के अनुसार 'सूक्ष्मशरीराणि सप्तदशावयवानि लिंगशरीराणि के आधार पर सूक्ष्यशरीर को समझायें। 6

खण्ड - ब

अधिकतम अंक : 12

नोट : लघु उत्तरीय प्रश्न। प्रश्नों के उत्तर 200 से 300 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

4. वेदान्त दर्शन में स्वीकृत पञ्चीकरण की प्रक्रिया को समझायें। 2

5. 'दृष्टवदानुश्रविकः' को स्पष्ट करें। 2

6. योगदर्शन में निर्दिष्ट ईश्वर का स्वरूप स्पष्ट करें। 2

7. तर्कभाषा के अनुसार कारणं त्रिविधिम् को समझायें। 2

8. वेदान्तसार के अनुसार अध्यास के स्वरूप को स्पष्ट करें। 2

9. 'योगश्चित्तवृत्तिनिरोधः' को स्पष्ट करें। 2

———————

224

उत्तर पदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद

अधिन्यास (Assignment) **2014-2015**

परास्नातक कला कार्यक्रम (एम०ए०)

Master of Arts Programme (M.A.)

विषय	: संस्कृत	विषय कोड	: एम.ए.एस.टी०
Subject	: Sanskrit	Subject Code	: MAST
कोर्स शीर्षक	: मृत्छकीटम्	कोर्स कोड	: एम.ए.एस.टी०-05
Course Title	:	Course Code:	MAST-05

अधिकतम अंक : 30

नोट : दीर्घ उत्तरीय प्रश्न। प्रश्नों के अपने उत्तर 800 से 1000 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

खण्ड - 'अ'

अधिकतम अंक : 18

1. निम्नलिखित में से किन्हीं दो श्लोकों की सन्दर्भ सहित व्याख्या कीजिए। 6

(क) दारिद्रय शोचामि भवन्तमेवमस्मच्छरीरे सुहृदित्युषित्वा।

विपन्नदेहे मयि मन्द भाग्ये ममेति चिन्ताक्व गमिष्यसित्वम्।।

(ख) द्रव्यं लब्धं द्यूतेनैव दारा मित्रं द्यूतेनैव।

दत्तं भुक्तं द्यूतेनैव सर्व नष्टं द्यूतेनैव।।

(ग) धन्यानि तेषां खलु जीवितानि, ये कामिनीनां गृहमागतानाम्।

आर्द्राणि मेघोदक शीतलानि गात्रणि गात्रेषु वरिष्वजन्ति।।

2. ''मृच्छकटिकम्'' की भाषा शैली पर प्रकाश डालिये। 6

3. मृच्छकटिकम् की सामाजिक दशा का निरूपण कीजिए। 6

खण्ड - ब

अधिकतम अंक : 12

नोट : लघु उत्तरीय प्रश्न। प्रश्नों क उत्तर 200 से 300 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

4. ''धिगस्तु खलु दारिद्रयम निर्वेदित यौरूषम्'' सूक्ति की व्याख्या कीजिये। 2

5. ''स्वदोषैर्भवति हि शङ्कितो मनुष्यः'' सूक्ति की सन्दर्भ सहित व्याख्या कीजिये। 2

6. मृच्छकटिकम् के रचयिता का जीवन परिचय लिखिए। 2

7. मृच्छकटिकम् के आधार पर विदूषक का चरित्र निरूपण कीजिए। 2

8. मृच्छकटिकम् के द्वितीय अंक की कथावस्तु लिखिए। 2

9. रूपक कितने प्रकार के होते हैं उल्लेख कीजिए। मृच्छकटिकम् रूपक का कौन सा प्रकार है। 2

———————

225

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद

अधिन्यास (Assignment) **2014-2015**

परास्नातक कला कार्यक्रम (एम०ए०)

Master of Arts Programme (M.A.)

विषय	: संस्कृत	विषय कोड	: एम.ए.एस.टी०
Subject	: Sanskrit	Subject Code	: MAST
कोर्स शीर्षक	: काव्य	कोर्स कोड	: एम.ए.एस.टी०-06
Course Title	:	Course Code	: MAST-06

अधिकतम अंक : 30

नोट : दीर्घ उत्तरीय प्रश्न। प्रश्नों के अपने उत्तर 800 से 1000 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

खण्ड - 'अ'

अधिकतम अंक : 18

1. ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए— 6

यदस्य यात्रासु बलोद्धतैर्रजः स्फुरत्प्रतापानल धूममाजिन।
तदेव गत्वा पतितं सुधाम्बुधौ दधाति पंकीभवदङ्कतां विधौ।

अथवा

तव वर्त्मनि वर्ततां शिवस्पुमरस्तु में त्वरितं समागमः।
अपि साधय साधयेप्सितं समपे स्मरणीयाः वयं वयः।।

2. ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए— 6

कर्णामृतं सूक्ति रसं विमुच्य दोषे प्रयत्नः सुमहान खलानाम्।
निरीक्ष्यते केलिवनं प्रविष्टः क्रमेलकः कण्टक जालमेव।।

अथवा

सदोदराः कुङ्कुमकेसराणां भवन्तिनूनं कविता विलासाः।
न शारदादेशमपास्य दृष्टस्तेषां यदन्यत्र मया प्ररोहः।।

3. ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए— 6

अरुण एष प्रकाशः पूर्वस्यां भगवतो मरीचि मालिनः। एषः भगवान् मणिराकाशमण्डलस्य, चक्रवर्ती खेचर चक्रस्य, कुण्डलमाखण्डलदिशः दीपको ब्रहमाण्डभाण्डस्य, प्रेयान् पुण्डरीकपटलस्य, शोकविमोकः कोकलोकस्य अवलम्बो रोलम्बकदेवस्य, सूत्रधारः सर्वव्यापारस्य इनश्च दिनस्य। एनमेवाडडश्रित्य भवति परमेष्टिनः परार्दसंख्या, असावेव चकर्तिवर्भतिर्जहर्ति च जगत् वेदाः एतस्यैव वन्दिनः, गायत्रि अमुमेव गायति।

अथवा

भगवन्। धैर्येण, प्रसादेन, प्रतापेन, तेजसा, वीर्येण, विक्रमेण, शान्त्या श्रिया, सौरव्येन, धर्मेण विद्यया च सममेव परलोक सनाथितवति तत्र भवति विक्रमादित्ये शनैः शनैः पारस्परिक विरोध विशिथिलीकृत्य स्नेहबन्धनेषु राजसु भामिनीभ्भङग, भूरिभावप्रभाव पराभूत वैभवेषु भटेषु स्वार्थचिन्ता सन्तान वितानैकेतान्येष्यमात्यवर्गेषु, प्रशसामात्र प्रियेषु प्रभुषु इन्द्रस्त्वं वरुणस्त्वं, कुबेरस्त्वं' इति वर्णनामात्र सक्तेषु बुद्धजनेषु कश्चन गजनीस्थान निवासी महामदो यवन ससेनः प्राविशद् भारतवर्षे।

खण्ड - ब

अधिकतम अंक : 12

नोट : लघु उत्तरीय प्रश्न। प्रश्नों के उत्तर 200 से 300 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

4. नैवध काब्य के वैशिष्ट्य पर प्रकाश डालिए। 2
5. महाकवि श्रीहर्ष का परिचय देते हुए उनकी रचनाओं का उल्लेख कीजिए। 2
6. महाकवि विल्हण कृत विक्रमांकदेव चरितम्' के काव्य सौष्यव पर एक लघु निबन्ध लिखिए। 2
7. विक्रमांदेव चरितम् किस कोटि का काव्य है, सोदाहण इसकी ऐतिहासिक महत्ता परप्रकाश डालिए। 2
8. 'शिवराज विजय एक ऐतिहासिक' उपन्यास है' इस कथन की समीक्षा कीजिए। 2
9. शिवराज विजय के प्रथम विश्वास के आधार पर कवि के काव्य शिल्प की विशेषताओं का निरूपण कीजिए। 2

———————

226

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद

अधिन्यास (Assignment) **2014-2015**

परास्नातक कला कार्यक्रम (एम०ए०)

Master of Arts Programme (M.A.)

विषय	: संस्कृत	विषय कोड	: एम.ए.एस.टी०
Subject	: Sanskrit	Subject Code	: MAST
कोर्स शीर्षक	: काव्यप्रकाश	कोर्स कोड	: एम.ए.एस.टी०-07
Course Title	:	Course Code:	MAST-07

अधिकतम अंक : 30

नोट : दीर्घ उत्तरीय प्रश्न। प्रश्नों के अपने उत्तर 800 से 1000 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

खण्ड - 'अ'

अधिकतम अंक : 18

1. आचार्य मम्मट प्रतिपादित काव्य के कारण की विशद व्याख्या कीजिए। 6

2. ''इति हेतुस्तदुदभवे'' इस कारिकांश की विशद व्याख्या कीजिए। 6

3. ''अन्विताभिधानवाद'' के प्रतिपादक का उल्लेख करते हुए उनकी अवधारणा स्पष्ट करें। 6

खण्ड - ब

अधिकतम अंक : 12

नोट : लघु उत्तरीय प्रश्न। प्रश्नों के उत्तर 200 से 300 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

4. आचार्य मम्मट प्रतिपादित काव्य प्रयोजनों की समीक्षा कीजिए। 2

5. ''संकेतितश्चतुर्भेदो जात्यादिर्जातिखे वा'' की व्याख्या करें। 2

6. आचार्य मम्मट द्वारा विवेचित अधम काव्य को उदाहरण पूर्वक स्पष्ट करें। 2

7. अधस्तन कारिका की व्याख्या कीजिए। 2

मुख्यार्थबाधे तद्योगे रूढितोऽथ प्रयोजनात्।

भन्योऽर्थो लक्ष्यते यत् सा लक्षणारोपिता क्रिया।।

8. ''लक्षणातेन षड्विधा'' को स्पष्ट कीजिए। 2

9. रसोपत्ति विषयक आचार्य शंकुक के अनुमितिवाद की व्याख्या कीजिए। 2

————

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद

अधिन्यास (Assignment) **2014-2015**

परास्नातक कला कार्यक्रम (एम०ए०)

Master of Arts Programme (M.A.)

विषय : संस्कृत विषय कोड : एम.ए.एस.टी०

Subject : Sanskrit Subject Code : MAST

कोर्स शीर्षक : नाट्य एवं नाट्यशास्त्र कोर्स कोड : एम.ए.एस.टी०-08

Course Title : Course Code: MAST-08

अधिकतम अंक : 30

नोट : दीर्घ उत्तरीय प्रश्न। प्रश्नों के अपने उत्तर 800 से 1000 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

खण्ड - 'अ'

अधिकतम अंक : 18

1. वेणीसंहार नाटक की नाट्यशास्त्रीय समीक्षा करते हुए इसके गुण–दोषों का विवेचन कीजिए। 6

2. 'रत्नावली' के कथानक का वर्णन करते हुए श्रीहर्ष की शैली का मूल्यांकन कीजिए। 6

3. इशरूपक के अनुसार सन्धियों तथा उसके भेदों का वर्णन कीजिए। 6

खण्ड - ब

अधिकतम अंक : 12

नोट : लघु उत्तरीय प्रश्न। प्रश्नों के उत्तर 200 से 300 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

4. दशरूपक के अनुसार 'समवकार' पर प्रकाश डालिए। 2

5. 'अवस्थानुकृतिर्नाट्यं' की समीक्षा कीजिए।– 2

6. रत्नावली वाटिका के आधार पर वासवदत्ता का चरित्र–चित्रण कीजिए। 2

7. वेणीसंहार के नायक के निर्धारण के सम्बन्ध में अपने तर्क प्रस्तुत कीजिए। 2

8. निम्नलिखित श्लोक का ससन्दर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिए— 2

पालीयं चम्पकानां नियतमयमसौ सुन्दरः सिन्दुवारः सान्द्रा वीथी तथेयं वकुलविटपिनां पाटलापंक्तिरेषा। आध्रामाध्राम गन्थं विविधमधिगतैः पादपैरेवमस्मिन् व्यक्तिं पन्थाः प्रयाति द्विगुणतरतमोनिह्नुतोऽप्येष चिह्नैः।।

9. निम्नलिखित श्लोक की संस्कृत में व्याख्या कीजिए— 2

मथ्नामि कौरवशतं समेर न कोपाद्

दुःशासनस्य रुधिरं न पिवाम्युरस्तः।

संचूर्णमामि गदमा न सुयोधनोरू

सन्धिं करोतु भवतां नृपतिः पणेन।।

———————

228

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद

अधिन्यास (Assignment) **2014-2015**

परास्नातक कला कार्यक्रम (एम०ए०)

Master of Arts Programme (M.A.)

विषय : संस्कृत विषय कोड : एम.ए.एस.टी०

Subject : Sanskrit Subject Code : MAST

कोर्स शीर्षक : लौकिक संस्कृत साहित्य का इतिहास एवं निबन्ध कोर्स कोड : एम.ए.एस.टी०-09

Course Title : Course Code: MAST-09

अधिकतम अंक : 30

नोट : दीर्घ उत्तरीय प्रश्न। प्रश्नों के अपने उत्तर 800 से 1000 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

खण्ड - 'अ'

अधिकतम अंक : 18

1. महाभारत का समय निर्धारित करते हुए उसकी शैली स्पष्ट कीजिए। 6

2. महाकाव्य के उद्‌भव एवं विकास पर प्रकाश डालिए। 6

3. संस्कृत गद्य–साहित्य की उत्पत्ति एवं विकास को स्पष्ट करते हुए, प्रमुख गद्यकारों पर संक्षिप्त निबन्ध लिखिए। 6

खण्ड - ब

अधिकतम अंक : 12

नोट : लघु उत्तरीय प्रश्न। प्रश्नों के उत्तर 200 से 300 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

4. शूद्रक की नाट्यकला–सम्बन्धी विशेषताओं पर प्रकाश डालिए। 2

5. महाकवि भास की शैली का वर्णन कीजिए। 2

6. संस्कृत गीति–काव्यों की विशेषताओं का वर्णन कीजिए। 2

7. भर्तृहरि के जीवनवृत्त एवं कृतित्य पर प्रकाश डालिए। 2

8. दशकुमारचरित के आधार पर दण्डी के काव्य सौष्ठव का वर्णन कीजिए। 2

9. 'सदाचार का महत्व' पर एक संक्षिप्त निबन्ध लिखिए। 2